संवाद पत्र

पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक : 51 वर्ष : त्रयोदश त्रैमासिक जुलाई, 2019

मणिपुर की महामहिम राज्यपाल श्रीमती नजमा हेफतुल्ला के साथ श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण पू.सी.रेल दिनांक 02.06.19 को बैठक करते हुए।

त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री श्री बिप्लव कुमार देव के साथ श्री एन.के. प्रसाद महाप्रबंधक/निर्माण पू.सी.रेल दिनांक 22.06.19 को त्रिपुरा में चल रहे रेल निर्माण से संबंधित कार्य पर चर्चा करते हुए।

रेल सप्ताह समारोह, 2019

श्री एन.के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण की अध्यक्षता में पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन द्वारा दिनांक 13-04-2019 को रंग भवन मालीगांव में 63 वॉ क्षेत्रीय रेल सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक, निर्माण ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया । इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की सराहनीय सेवा के लिए निर्माण संगठन के 69 अधिकारियों/कर्मचारियों को महाप्रबंधक/निर्माण के कर-कमलों द्वारा व्यक्तिगत पुरस्कार तथा 17 को सामूहिक पुरस्कार प्रदान किए गए। इनके अलावे तीन इंजीनियरी यूनिटों को इंजीनियरी दक्षता शील्ड/ट्रॉफी प्रदान की गयी इनमें से उप मुख्य इंजीनियर नि./डिब्रूगढ़ टाउन को विजेता पुरस्कार तथा दो को जिनमें से उप मुख्य इंजीनियर नि./लामडिंग तथा उप मुख्य इंजीनियर नि./जोगिघोपा को संयुक्त रूप से रनर पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी प्रकार सिगनल एवं दूर संचार दक्षता शील्ड एक यूनीट यथा उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर नि./अगरतला को प्रदान किया गया। बिजली दक्षता शील्ड उप मुख्य बिजली इंजीनियर नि./मुख्यालय को दिया गया। गैर इंजीनियरी दक्षता ट्रॉफी वरिष्ठ सहायक वित्त सलाहकार/नि. लामडिंग को प्रदान किया गया ।

उक्त पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसका दर्शकों ने आनन्द उठाया।

संरक्षक
श्री एन. के. प्रसाद
महाप्रबंधक/निर्माण

मुख्य संपादक
श्री बी.एन भास्कर
मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.

संपादक
श्री एस.जे.मंडल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.

सह संपादक
श्री राजेश रंजन कुमार
राजभाषा अधिकारी/नि.

सहयोग
श्रीमती ममता तामुली
वरिष्ठ अनुवादक/नि.

आतंकवाद विरोधी दिवस

पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यालय परिसर में दिनांक 21-05-2019 को आतंकवाद विरोधी दिवस का पालन किया तथा समाज में आतंकवाद एवं हिंसा का प्रतिरोध करते हुए शांति, सामाजिक सामंजस्यता और समस्त लोगों के बीच तालमेल को बढावा देने के लिए श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक, निर्माण के मार्गदर्शन में शपथ ग्रहण किया।

विशेष उपलब्धियां

1 पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) ने गुवाहाटी में दिनांक 13.04.2019 को रेल सप्ताह मनाया। इस अवसर पर वर्ष 2018-19 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नकद एवं प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

2 नई दिल्ली, रेलवे बोर्ड में सदस्य इंजीनियरी एवं बोर्ड के अन्य अधिकारियों के साथ श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण ने दिनांक 09.04.2019 को आयोजित एक बैठक में भाग लिया।

3 दिनांक 29.04.2019 को क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में तिमाही के दौरान विभिन्न विभागों में राजभाषा की प्रगति की समीक्षा और अप्रैल-जून, 2019 की तिमाही के लिए कार्य-योजना पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

4 जिरिबाम-इंफाल नई लाइन परियोजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2019-20 के लक्ष्य निर्धारित वांगईचुंगपाओ-कंबीरॉन (24.30 कि.मी.) सेक्शन का दिनांक 02.04.2019 को निरीक्षण किया गया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई।

5 अगरतला-सबरूम नई लाइन परियोजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2019-20 के लक्ष्य निर्धारित बेलोनिया-सबरूम (38.80 कि.मी.) सेक्शन का दिनांक 20.04.2019 को निरीक्षण किया गया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई।

6 पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) का एक प्रतिनिधिमंडल अगरतला (भारत) अखौरा (बांगलादेश) नई रेल लिंक परियोजना के संबंध में दिनांक 27.05.2019 से 28.05.2019 तक बांगलादेश का दौरा किया। यात्रा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 27.05.2019 को महानिदेशक, बांगलादेश रेलवे श्री काजी मोहम्मद रफीक आलम के साथ मुलाकात की। बैठक के दौरान अगरतला-अखौरा नई रेल लिंक, हल्दीबाड़ी (भारत)-सिलहाटी (बांगलादेश) नई रेल लिंक एवं अगरतला-सबरूम नई लाइन परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। सबरूम स्टेशन चालू होने के बाद फेनी पुल होते हुए चित्तगांव पोर्ट (बांगलादेश) से सबरूम तक (कुल 72 कि.मी.) सड़क मार्ग द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलगाड़ियों से माल की आवाजाही में बढ़ोत्तरी होगी। इससे भारत और बांगलादेश के बीच द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा।

7 मेघालय के माननीय मुख्यमंत्री श्री कॉनरेड संगमा के साथ श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण ने मेघालय की रेल परियोजनाओं तथा इनसे संबंधित मामलों को लेकर शिलांग में दिनांक 02.05.2019 को एक बैठक की और रेल परियोजनाओं की प्रगति पर विस्ताार से विचार-विमर्श किया।

8 बलास्ट रहित ट्रैक एवं सुरंग वायु संचार (टनल वेंटिलेशन) विषय पर मुख्य प्रबंध निदेशक/केआरसीएल के साथ श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण ने दिनांक 11.05.2019 को मुंबई में एक बैठक की।

9 पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन के अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा कार्यालय परिसर में दिनांक 21.05.2019 को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। इस दौरान यह प्रतिज्ञा ली गई कि शांति, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है, समाज में आतंकवाद एवं हिंसा का विरोध करते हुए संपूर्ण मानवजाति के बीच आपसी समझ बढ़ाना है।

10 हारमुती-नाहरलागुन नई लाइन परियोजना को 30.50 करोड़ रूपए की लागत के साथ वर्ष 2019-20 के लिए पिंक बुक में पुन: शामिल करने के लिए रेलवे बोर्ड को अनुरोध किया गया है क्यों कि पिछले वित्त वर्ष में पिट एवं सिक लाइन शेड एवं स्टेशन तक जाने वाली सड़क पर पुल का निर्माण कार्य पूरा नहीं किया जा सका था। इस संबंध में पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन द्वारा रेलवे बोर्ड को पहले ही जानकारी दे दी गई है।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दिनांक 29.04.19 को निर्माण संगठन की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में मुख्यालय के अंतर्गत विभिन्न विभागों में फाइलों पर हो रहे हिंदी कामकाज की एक प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर अपने निरीक्षण के क्रम में श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण महोदय ने फाइल पर हिंदी में सबसे अधिक नोटिंग लिखने वाले कर्मचारी को सराहना स्वरूप नकद पुरस्कार देने की भी घोषणा की। इस सिलसिले में राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए कार्मिक विभाग के श्रीमती मिलि चक्रवर्ती को महाप्रबंधक/निर्माण के कर-कमलों द्वारा कुल 1000/-(एक हजार रूपए) नकद पुरस्कार की राशि प्रदान की गई।

पू.सी. रेल, महाप्रबंधक (निर्माण) कार्यालय में कंप्यूटर पर हिंदी में गूगल वॉइस टाइपिंग की कार्यशाला का आयोजन

निर्माण संगठन के राजभाषा विभाग के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री एस. जे. मंडल की अध्यक्षता में दिनांक 06.06.2019 एवं 07.06.2019 को दो दिवसीय गूगल वॉयस टाइपिंग कार्यशाला में निर्माण संगठन के विभिन्न विभागों के कुल 24 कर्मचारी शामिल हुए। इस कार्यशाला में उपस्थित सभी कर्मचारियों ने व्यक्तिगत रुप से प्रशिक्षण प्राप्त की।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 128 वीं जयंती

भारत रत्न, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 128वीं जयंती के अवसर पर दिनांक 17-04-2019 को पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन मुख्यालय के मुख्य भवन के प्रांगण में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित की गयी। इस अवसर पर निर्माण संगठन के महाप्रबंधक श्री एन.के.प्रसाद के साथ सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के लिए उनके योगदान को याद किया।

योग दिवस

दिनांक 21-06-2019 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर निर्माण संगठन के माननीय महाप्रबंधक श्री एन.के. प्रसाद ने अधिकारियों के साथ रेलवे स्टेडियम, मालीगांव में योग दिवस पालन किया।

रंगाली बिहु का आयोजन

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 13 से 17 अप्रैल तक रेलवे स्टेडियम, मालीगांव में रंगाली बिहु उत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। श्री एन.के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर बिहु नृत्य के अलावा असम के विभिन्न समुदायों ने अपने-अपने लोक नृत्य भी प्रदर्शित किए। रंगाली बिहु का वार्षिक समारोह जाति, समुदाय और भाषा से परे सभी स्थानीय निवासियों के मन में खुशी भरते हुए समन्वय, सहयोग तथा सौहार्द स्थापित करते हैं। इस प्रकार लोग प्रकृति के क्रम में आनेवाले स्वाभाविक परिवर्तन का स्वागत परस्पर बिहु की शुभ कामनाओं के आदान-प्रदान से करते हैं। यह रेल कर्मियों और बिहु का आनन्द उठाने वाले लोगों के लिए हर्ष का विषय है कि पू.सी.रेल निर्माण संगठन एवं मुख्यालय मालीगॉव के महाप्रबंधक तथा अन्य अधिकारीगण मिलजुल कर रंगाली बिहु के विविधतापूर्ण समारोह के आयोजन में भरपूर सहयोग दिए।

असंभव नहीं संभव कहें

हम कार्य का जब करते हैं श्रीगणेश,
मन में विचार आते हैं अनेक ।

कार्य होता है आसाँ पर लगता है असंभव,
हम वो संगठन हैं, जो कर देते हैं संभव ।
फर्क नजरिए व दृष्टिकोण का होता है,
औरों के लिए नामुमकीन, पर
हमारे लिए मुमकीन होता है ।

आकर्षण का नियम,
तो शिद्दत से काम करता है,
सम वस्तु भाव, सम वस्तु भाव को जोड़ता है

सोंच अगर नकारात्मक हो तो
अंजाम भी नकारात्मक होता है
चिंतन अगर सकारात्मक हो तो
परिणाम भी सकारात्मक होता है ।

काश ! ऐसा होता कि
शब्दकोश में "असंभव" शब्द न होता,
संभव जैसे शब्द के आगे
उपसर्ग "अ" नहीं होता ।

ठीक ही कहा है किसी ने...
एक पत्थर तो शिद्दत से उछालो यारों,
फिर देखो आसमां में छेद कैसे नहीं होता ?

निर्माण संगठन की सफलता का एक राज बताता हूँ
इसके आगे बढ़ने का मैं एक मंत्र सुनाता हूँ ।
हम मन में "असंभव" शब्द की कंडिशनिंग करते हैं,
तभी तो क्रांति हेतु "संभव" शब्द की रीकंडिशनिंग करते हैं ।
विशेष कुछ नहीं, दृष्टिकोण में परिवर्तन लाते हैं,
सब कुछ संभव है, मन में विश्वास जगाते हैं ।
इम्पॉसिबल में ही पॉसिबल ढूँढ़ लेते हैं
"आई ऐम पॉसिबल" की खुशबु सूंघ लेते हैं ।

इसीलिए तो ...
"हम अपने रास्ते खुद बनाते हैं,
मंजिल को अपने करीब लाते हैं।
काम मुश्किल है तो क्या हुआ,
असंभव को भी संभव कर दिखाते हैं"।

-- राजेश रंजन कुमार,
राजभाषा अधिकारी/निर्माण, मालीगाँव